MS – 128

IV Semester B.B.A. Examination, May 2016
(2015-16 and Onwards) (CBCS) (Fresh)
LANGUAGE HINDI – IV
Khanda Kavya, Nibhandh and Anuvad

Time : 3 Hours | Max. Marks : 70

I. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर **एक** शब्द या **एक** वाक्य में लिखिए । **(10x1=10)**

1) चैतन्य महाप्रभु का जन्म कहाँ हुआ था ?

2) प्रभु के खडाऊँ लेकर विष्णुप्रिया क्या करती थी ?

3) हरिदास कौन थे ?

4) कलियुग में मनुष्य का एकमात्र सहारा क्या हैं ?

5) गौरहरि का सहपाठी बन्धु कौन था ?

6) प्रभु को काले अंधियारे बादलों में किस का रूप दिखता था ?

7) 'विष्णुप्रिया' खण्ड काव्य के कवि कौन है ?

8) चैतन्य महाप्रभु की पहली पत्नी का नाम क्या है ?

9) 'विष्णुप्रिया' खण्ड काव्य में कौन नर से ईश्वर बना ?

10) कलियुग में किसका सहारा है ?

II. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पद्यांशों की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए । **(2x6=12)**

1) आया जो उसी को अपनाया गौरहरि ने,
भेद नहीं माना कुछ हिन्दू–मुसलमान का ।
मारक नहीं वे बने उद्धारक दुष्टों के
यवन–कुलोद्भव ही भक्त हरिदास थे;
नामोच्चार करते विचरते थे प्रेम से ।

P.T.O.

2) लौट देव-पूजन-प्रबन्ध कर सास का
चूल्हा सुलगाती, इसी बीच भृत्य गाय का
दूध दुह रखता, तपाती उसे धान के ।
करती थी बाल-भोग प्रस्तुत मुकुन्द का ।
थोड़े दाल चावल निकाल उन्हें बीनती,
एक शाक लेकर सँवारती सुयत्न से ।

3) आया समाचार प्रभु दक्षिण को हैं गये,
जा न सके साथ नित्यानन्द तक उनके,
भेज सके एक जन मात्र हठ करके ।
माता ने सुना तो फिर हो उठीं वे कातरा ।
"हाय भगवान एक सान्त्वना थी मुझको,
उसकी व्यवस्था जगदीश के निकट है" ।

III. किसी **एक** प्रश्न का उत्तर लिखिए । **(1×12=12)**

1) 'विष्णुप्रिया' खण्ड काव्य में विष्णुप्रिया
एक पतिव्रता, कुशल ग्रहिणी तथा सामाजिक
दृष्टिकोण वाली नारी परिलक्षित होती है-
इस कथन के आधार पर अपने विचार स्पष्ट कीजिए ।

2) 'विष्णुप्रिया' खण्ड काव्य में चैतन्य महाप्रभु का चरित्र चित्रण कीजिए ।

IV. किसी **एक** पर टिप्पणी लिखिए । **(1×6=6)**

1) नित्यानन्द

2) माँ शचीदेवी ।

V. किन्हीं **दो** पर निबन्ध लिखिए । **(2×10=20)**

1) लघु कुटीर उद्योग ।

2) बेरोज़गारी की समस्या ।

3) कर ।

VI. हिन्दी में अनुवाद कीजिए । **(1×10=10)**

Co-operation is not only a way of life, but is also an attitude of mind. In ancient India our agricultural operations were based on a system of co-operation. Even today hired labour is seldom-used by villagers, who work on each other's fields and carry on their work in a systematic manner, consumer's co-operation is now confined to cities in India. It is just making its way to villages. Our villages are no more the self-sufficient units that they used to be in the part.

ಸಹಕಾರವು ಜೀವನದ ಒಂದು ಕ್ರಮ ಮಾತ್ರವಲ್ಲ ಅದು ಒಂದು ಮನೋಧರ್ಮ ಕೂಡ. ಪ್ರಾಚೀನ ಭಾರತದಲ್ಲಿ ವ್ಯವಸಾಯದ ಹೆಚ್ಚಿನ ಭಾಗವನ್ನು ಸಹಕಾರದ ಆಧಾರದ ಮೇಲೆ ನಿರ್ವಹಿಸುತ್ತಿದ್ದರು. ಇಂದಿಗೂ ಕೂಡ ಹಳ್ಳಿಗಳಲ್ಲಿ ದಿನಗೂಲಿಯ ಮೇಲೆ ಕೆಲಸ ಮಾಡಿಸುವುದು ಅತಿ ವಿರಳ. ಹಳ್ಳಿಯ ಜನ ಪರಸ್ಪರ ಸಹಕಾರವನ್ನಿತ್ತು ತಮ್ಮ ತಮ್ಮ ಜಮೀನಿನ ಕೆಲಸ ಕಾರ್ಯಗಳನ್ನು ಮಾಡಿಕೊಳ್ಳುತ್ತಾರೆ. ಬಳಕೆದಾರರ ಸಹಕಾರ ಸಂಘಗಳು ಭಾರತದಲ್ಲಿ ನಗರಗಳಿಗೆ ಮಾತ್ರ ಮೀಸಲಾಗಿವೆ. ನಮ್ಮ ಹಳ್ಳಿಗಳೇನೂ ಸ್ವಯಂಪೂರ್ಣ ಘಟಕಗಳಲ್ಲಿ ಮೊದಲು ಅವು ಸ್ವಯಂಪೂರ್ಣ ಘಟಕಗಳಾಗಿದ್ದವು.